IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 2, October 2024
Impact Factor: 7.53

पर्यावरण परिवर्तन की सामाजिक धारणा

डॉ. निशा सिंह

अतिथि विद्वान -समाजशास्त्र विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा मध्य प्रदेश

सारांश

यह शोध पत्र पर्यावरण परिवर्तन, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन की भारतीय समाज में सामाजिक धारणा का विश्लेषण करता है। सामाजिक निर्माणवाद (Social Constructionism) के सिद्धांत पर आधारित यह अध्ययन दर्शाता है कि पर्यावरणीय मुद्दे प्राकृतिक वास्तविकता के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और मीडिया-आधारित धारणाओं से भी निर्मित होते हैं। भारत में येल प्रोग्राम ऑन क्लाइमेट चेंज कम्युनिकेशन (YPCCC) और CVoter के राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के द्वितीयक विश्लेषण से पता चलता है कि 90% से अधिक भारतीय जलवायु परिवर्तन के प्रति चिंतित हैं, लेकिन केवल 10% ही इसे पूर्ण रूप से समझते हैं। क्षेत्रीय भिन्नताएँ, वर्गीय अंतर और जागरूकता की कमी प्रमुख चुनौतियाँ हैं। शोध का उद्देश्य सामाजिक धारणा को समझकर नीति-निर्माण और जागरूकता अभियानों के लिए सुझाव देना है।

कीवर्ड्स

पर्यावरण परिवर्तन, सामाजिक धारणा, जलवायु परिवर्तन, सामाजिक निर्माणवाद, भारतीय समाज, जन जागरूकता, क्षेत्रीय भिन्नता